एशियाड, ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेल में क्या है अंतर भारतीय एथलीटों के लिए एशियाई खेल अहम क्यों

नई दिल्ली

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्तूबर 2026 तक एशियाई खेल 2026 का आयोजन होना है। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इवेंट में भाग लेने वाली टीमें अपनी तैयारी के अंतिम चरण में हैं और ज्यादा से ज्यादा से पदक जीत अपने देश का नाम प्रतिष्ठित करने की कोशिश करेंगी। भारत के एथलीटों के लिए वैश्विक मंचों पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल और एशियन गेम्स के रूप में तीन वैश्विक मंच उपलब्ध हैं। तीनों खेलों का फलक एक दूसरे से भिन्न है। आइए जानते हैं कि इन तीनों आयोजनों में क्या अंतर है

खेलों के महाकुंभ के नाम से मशहूर है ओलंपिक - ओलंपिक दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन है। इस वैश्विक इवेंट में दुनिया के लगभग सभी देश हिस्सा लेते हैं। आधुनिक ओलंपिक 1896 से खेला जा रहा है। ओलंपिक का आखिरी संस्करण 2024 में पेरिस में आयोजित हुआ था और इसका अगला संस्करण 2028 में लास एंजिलिस में होना है। ओलंपिक में भारतीय दल का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। भारत ने ओलंपिक में अब तक कुल 41 पदक जीते हैं। इसमें 10 स्वर्ण, 10 रजत और 21 कांस्य पदक शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में कौन से देश लेते हैं हिस्सा - ओलंपिक के बाद राष्ट्रमंडल खेल का स्थान है। 1930 में ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रमंडल खेल (कामनवेल्थ गेम्स) में ब्रिटिश साम्राज्य या उसके आश्रितों के उपनिवेश रहे देश हिस्सा लेते हैं। राष्ट्रमंडल खेल में हिस्सा लेने वाले सदस्य देशों की संख्या 74 देश है। इसके अलावे कुछ इलाके (जिनका प्रतिनिधित्व कामनवेल्थ गेम्स फेडरेशन के सदस्य एसोसिएशन करते हैं) हिस्सा लेते हैं। भारत कामनवेल्थ गेम्स के इतिहास में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा सफल देश है। भारत ने 215 स्वर्ण, 206 रजत और 178 कांस्य पदक जीते हैं।

एशिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन है एशियाड - ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल के बाद एशियन गेम्स का नंबर आता है। इसे एशियाई खेल या एशियाड भी कहा जाता है। यह एशिया का सबसे बड़ा और वैश्विक रूप से तीसरा सबसे बड़ा खेल आयोजन है। एशियन गेम्स में एशिया महादेश के तहत आने वाले और ओलंपिक काउंसिल आफ एशिया से मान्यता प्राप्त 45 देश ही एशियन गेम्स में हिस्सा लेते हैं। 1951 में शुरू हुए एशियन गेम्स के हर संस्करण में भारतीय दल ने हिस्सा लिया है।

न्यूज ब्रीफ

महिला एशिया कपः नकवी से ट्राफी नहीं लेने के विवाद पर बोले अमोल मजूमदार, बीसीसीआई के फैसले के साथ हैं

दुबई। महिला एशिया कप 2026 के फाइनल के बाद ट्राफी वितरण को लेकर उठे विवाद पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई ने जो रुख अपनाया है, टीम उसके साथ खड़ी है। भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकार्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्राफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी पाकिस्तान सरकार में भी शामिल हैं। यह घटनाक्रम पिछले साल के पुरुष एशिया कप फाइनल की याद दिलाता है। तब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में हराने के बाद नकवी से ट्राफी लेने से इनकार कर दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, यह रुख बीसीसीआई ने अपनाया है और हम इसके साथ खड़े हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट समाप्त हो चुका है। हम चैंपियन हैं। उन्होंने आगे कहा, बड़े बोर्ड पर लिखा था कि भारत एशिया कप 2026 का चैंपियन है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट आधिकारिक रूप से समाप्त हो चुका है। अब हमारा ध्यान एशियाई खेलों पर है। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का आठवां खिताब अपने नाम किया और अब टीम का अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन करना है।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बार्टमैन बाहर , जेनसन शामिल

डरबन। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से होने वाली आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट पहले दक्षिण अफ्रीका को एक करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। इसी कारण बार्टमैन की जगह पर युवा तेज गेंदबाज डुआन जेनसन को टीम में शामिल किया गया है। जेनसन 19 सितंबर को डरबन में टीम से जुड़ेंगे। डुआन अपने भाई और दक्षिण अफ्रीकी आलराउंडर मार्को जेनसन के साथ टीम कैंप में शामिल होंगे। बार्टमैन का चोटिल होना इसलिए भी टीम के लिए चिन्ता का करण है क्योंकि पहले से ही प्रमुख तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा टीम से बाहर हैं। रबाडा भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण एकदिवसय सीरीज से बाहर हो गये हैं, जिससे दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी प्रभावित हुई है। बार्टमैन और रबाडा दोनों का बाहर होना निश्चित रूप से टीम की रणनीतिक योजनाओं के लिए परेशानी का कारण बना है। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 24 सितंबर से डरबन में खेला जाएगा। इसमें रबाडा की उपलब्धता पर बाद में फैसला लिया जाएगा। विशेषकर 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए। वह फिलहाल अपनी चोट से उबरने और टेस्ट मैचों के लिए फिट होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उनकी उपलब्धता पर अंतिम निर्णय टेस्ट सीरीज से पहले लिया जाएगा। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस टीम में नियमित कप्तान तेंबा बावुमा की वापसी हुई है।

विश्व तीरंदाजी कप फाइनल : धीरज बोम्मदेवरा ने रचा इतिहास, पुरुष रिकर्व में जीता स्वर्ण

साल्टिलो (मेक्सिको)। भारत के धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूती देते हुए विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में पुरुष रिकर्व वर्ग का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। धीरज ने खिताबी मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता नाकानिशी जुन्या को शूट-आफ में हराया। विजयवाड़ा के 25 वर्षीय धीरज विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। निर्धारित पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर रहा, जिसके बाद शूट-आफ हुआ। इसमें धीरज ने 10 अंक का निशाना साधा, जबकि नाकानिशी 9 अंक ही हासिल कर सके। पहले सेट में दोनों तीरंदाजों ने 28-28 अंक हासिल किए और एक-एक अंक बांटा। नाकानिशी ने दूसरा सेट 29-28 से जीतकर 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन धीरज ने तीसरा सेट 29-28 से अपने नाम कर स्कोर बराबर कर दिया। नाकानिशी ने चौथे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो इनर-10 समेत कुल 29 अंक हासिल किए, जबकि धीरज 28 अंक ही बना सके। इससे जापानी तीरंदाज ने दबाव बढ़ा दिया। निर्णायक पांचवें सेट में दोनों ने पहली तीर से 9-9 अंक बनाए। धीरज ने दूसरी तीर पर 10 अंक हासिल कर बढ़त बनाई, जबकि नाकानिशी ने फिर 9 अंक जुटाए। धीरज की तीसरी तीर 9 अंक की रही।

डब्ल्यूसीएल के तीसरे सत्र में खेलने के लिए तैयार हैं पूर्व दिग्गज

दुबई

पूर्व क्रिकेटरों की वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लेजेंड्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का तीसरा सत्र अगले माह 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इस लीग में कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे जिसमें भारत के युवराज सिंह के अलावा पाकिस्तान के शाहिद अफ़रीदी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर जैसे खिलाड़ी हैं।

यह टूर्नामेंट 3 से 18 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह के शानदार स्टेडियमों में आयोजित होगा, जहाँ प्रर्शसकों को इन पूर्व क्रिकेटरों को देखने का अवसर एक बार फिर मिलेगा। लीग के पहले दो सत्र इंग्लैंड में सफलतापूर्वक आयोजित होने के बाद, यह पहली बार है जब टूर्नामेंट कहीं ओर खेला जा रहा है। यूएई में इसका आयोजन दक्षिण-एशियाई और प्रवासी क्रिकेट प्रशंसकों के लिए रोमांचक होगा। ये जो अपने पसंदीदा सितारों को अपनी नज़दीक से खेलते हुए देख पाएंगे। लीग ने सत्र 3 के फ़ाइनल कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।

इस लीग में दुनिया भर के पूर्व क्रिकेट सितारे अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक साथ आएंगे। इनमें इंडिया चैंपियंस, पाकिस्तान चैंपियंस, आस्ट्रेलिया चैंपियंस, इंग्लैंड चैंपियंस, साउथ अफ्रीका चैंपियंस, वेस्ट इंडीज़ चैंपियंस और बांग्लादेश चैंपियंस जैसी टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होगा, जो हमेशा की तरह क्रिकेट प्रशंसकों के बीच ज़बरदस्त उत्साह पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, कई अन्य मैचों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की पुरानी प्रतिद्वंद्विताएँ एक बार फिर ताज़ा होंगी, जिसमें खेल के कुछ सबसे जाने-माने पूर्व खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। लीग के अनुसार, दूसरे सत्र के दौरान 425 मिलियन दर्शकों की वैश्विक संख्या हासिल करने के बाद, यह टूर्नामेंट अब अपनी लोकप्रियता को भुनाने और एक नए दर्शक वर्ग तक पहुँचने के लिए तैयार है।

हेसन बने रहना चाहते हैं पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच

लाहौर। माइक हेसन ने कहा है कि वह स्थायी रुप से पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहना चाहते है। सीमित ओवरों के कोच हेसन को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट में अंतरिम कोच की भी जिम्मेदारी दी गयी थी। हेसन के अनुसार वह पाकिस्तान के साथ आगे भी जुड़े रहना चाहते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुरुआती दोनो टेस्ट में टीम की करारी हार के बाद सरफराज अहमद को कोच पद से हटाकर हसी को अंतिरिम कोच की जिम्मेदारी दी थी। हालांकि, हेसन के कोच बनने के बाद भी पाक के प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं आया और टीम को हार का ही सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट में पाक को आठ विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस प्रकार पाक को 3-0 से करारी हार मिली है। वहीं कोच ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट बहुत पसंद है और पाकिस्तान में काफी प्रतिभाएं मौजूद है। अगर हम खिलाड़ियों को सही दिशा दे सकें, तो आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। हेसन ने कहा है कि टीम बदलाव के लिए समय की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि एक या दो मुकाबलों से बदलाव नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा, यह बदलाव एक या दो मैचों में नहीं हो सकता, यहां काफी प्रतिभा है। अगर अवसर मिलात तो मैं जिम्मेदारी संभालने और टीम को आगे ले जाने पर विचार करूंगा। हेसन के अनुसार वह पाक की मौजूदा परेशानियों के बावजूद टीम की क्षमता से प्रभावित हैं। उन्हें भरोसा है कि सही योजना और दिशा के साथ टीम के प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है। गौरतलब है कि हेसन मई 2025 से ही पाक की सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी टेस्ट कोच की भूमिका को लेकर अभी तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और चयनकर्ताओं के साथ कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। वहीं पीसीबी से अभी तक इस बारे में कोई बयान नहीं आया है।

तन्वी पत्री ने जीता बैडमिंटन एशिया अंडर-17 का खिताब, शाइना मनिमुथु को हराकर बनीं चैंपियन

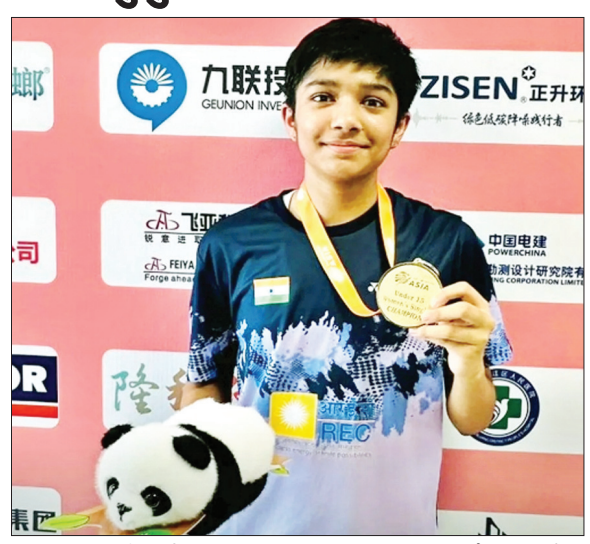

नई दिल्ली

भारत की 15 वर्षीय तन्वी पत्री ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर-17 एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन शाइना मनिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से हराया।

ओडिशा की तन्वी ने इस जीत के साथ महाद्वीपीय अंडर-17 खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था और इसी साल बेंगलुरु में इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया था।

तन्वी ने 2024 में अंडर-15 एशियाई खिताब जीता था और अब उन्होंने अंडर-17 एशियाई चैंपियन बनकर अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। उनकी जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरे वर्ष अंडर-17 लड़कियों के एकल का खिताब अपने पास बरकरार रखा। पिछले साल दीक्षा सुधाकर ने यह खिताब जीता था।

दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए कड़े मुकाबलों से गुजरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में बाई मिलने के बाद उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली को 18-16, 12-15, 15-13 से हराया। इसके बाद उन्होंने जापान की शिजुकु काशियो को 15-9, 15-12 से शिकस्त दी।

क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने चीन की लिन हेंग मेन को 15-8, 15-8 से सीधे गेमों में हराया। सेमीफाइनल में भी उन्होंने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और चीन की यू यिंग गुई को 15-9, 11-15, 15-11 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, छठी वरीयता प्राप्त शाइना मनिमुथु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जापान की युई इताबाशी को हराया, जबकि सेमीफाइनल में एक अन्य जापानी खिलाड़ी अनोन ओकिमोटो को 15-13, 15-12 से शिकस्त दी।

रूट के निशाने पर हैं सचिन के ये रिकार्ड

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान जो रुट की नजरें अब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के तीन बड़े रिकार्ड पर लगी हैं। हाल में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बनाने वाले रुट आजकल अच्छी लय में है जिसका लाभ उन्हें मिल सकता है। वह अपने अपने करियर में उत्कर्ष पर हैं। इसमें प्रत्येक मैच के साथ ही वह नई उपलब्धि हासिल कर रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में रुट ने तेंदुलकर का टेस्ट में सर्वाधिक अर्धशतकों का रिकार्ड तोड़ दिया। तेंदुलकर ने अपने करियर में 68 अर्धशतक लगाए थे, जबकि रूट केअब 69 अर्धशतक हो गये हैं। इससे उनके लगातार बेहतर होने का अंदाजा होता है। रूट की निगाहें अब तेंदुलकर के 15921 टेस्ट रनों के रिकार्ड पर लगी हैं। वहीं रूट ने अब तक 169 टेस्ट मुकाबलों में 14278 रन बनाये हैं। रूट को सचिन के इस रिकार्ड को तोड़ने के लिए अब केवल 1643 रनों की ही जरुरत है। रुट जिस प्रकार से खेल रहे हैं उससे तय है कि वह बहुत जल्द टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड बना सकते हैं।

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन का खिताब, अमेरिकी उम्मीदें फिर टूटीं

न्यूयार्क

अमेरिका की अपने किसी खिलाड़ी को 2003 के बाद पहली बार यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतते देखने की उम्मीद एक बार फिर टूट गई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबला करीब साढ़े तीन घंटे चला।

29 वर्षीय ज्वेरेव का यह करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह इस साल फ्रेंच ओपन भी जीत चुके हैं। छह साल पहले फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में ज्वेरेव दो सेट की बढ़त के बावजूद डोमिनिक थीम से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की।

पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई। उन्होंने 12वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दबाव में अपना संयम बनाए रखा।

ज्वेरेव ने चौथे सेट के पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बिना किसी परेशानी के अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया।

अमेरिकी खिलाड़ी के लिए शुरुआत बेहद खराब रही। शेल्टन को पहले ही सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने डबल फाल्ट कर दिया। ज्वेरेव ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल था और उन्होंने अपनी दमदार सर्विस से शेल्टन को कोई मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में ज्वेरेव ने पहली सर्विस के बाद 80 में से 68 अंक यानी 85 प्रतिशत अंक जीते। पहले सेट के नौवें गेम में शेल्टन को एक और ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने फिर डबल फाल्ट कर दिया, जिससे ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन किया और ज्वेरेव की सर्विस पर कोई ब्रेक प्वाइंट नहीं बनाया जा सका। हालांकि टाईब्रेक में ज्वेरेव ने 5-0 की बढ़त बनाकर सेट पर कब्जा कर लिया। उनके दमदार सर्विस के जवाब में शेल्टन का फोरहैंड रिटर्न नेट में चला गया।

शेल्टन ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 12 सेट गंवाने का सिलसिला तीसरे सेट में खत्म किया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ज्वेरेव ने चौथे सेट में तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया और अंतत: ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

ज्वेरेव के खिलाफ मुकाबले से पहले शेल्टन का रिकार्ड 0-5 था। दोनों के बीच इससे पहले किसी ग्रैंड स्लैम में मुकाबला नहीं हुआ था और उनकी पिछली भिड़ंत 2025 एटीपी फाइनल्स में हुई थी। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज़ और हमवतन फ्रांसेस टियाफोए को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस हार के साथ अमेरिकी पुरुषों का यूएस ओपन जीतने का इंतजार जारी रहा। अमेरिका के एंडी राडिक ने 2003 में न्यूयार्क में खिताब जीता था और तब से कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत सका है।

एटीपी रैंकिंगः आठ साल बाद टाप-10 से बाहर हुए नोवाक जोकोविच, 12वें स्थान पर खिसके

नई दिल्ली

यूएस ओपन के पहले दौर में मिली चौंकाने वाली हार के बाद 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ताजा एटीपी रैंकिंग में शीर्ष-10 से बाहर हो गए। 39 वर्षीय जोकोविच अब विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं।

जोकोविच को यूएस ओपन के पहले दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नाओने ने चार घंटे 36 मिनट चले मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया। यह 2006 के आस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार था जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारकर बाहर हुए। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन जोकोविच पिछले साल फ्लशिंग मीडोज में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्हें स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ से हार मिली थी। इस साल अपने पिछले साल के रैंकिंग अंक का बचाव नहीं कर पाने के कारण उन्हें शीर्ष-10 से बाहर होना पड़ा।

जोकोविच ने 2007 में पहली बार एटीपी रैंकिंग के शीर्ष-10 में जगह बनाई थी। 2017 में विंबलडन क्वार्टर फाइनल के दौरान कोहनी की समस्या के कारण उन्हें मुकाबला छोड़ना पड़ा था और वह बाकी सत्र से बाहर रहे थे। इसके बाद नवंबर में वह शीर्ष-10 से बाहर हो गए थे। हालांकि, 2018 में घास के इस ग्रैंड स्लैम का चौथा खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिर शीर्ष-10 में वापसी की थी।

जोकोविच के नाम एटीपी रैंकिंग इतिहास में विश्व नंबर-1 के रूप में सबसे अधिक 428 सप्ताह बिताने का रिकार्ड है।

शीर्ष-10 रैंकिंग

- 1. यानिक सिनर - 11,500 अंक
- 2. अलेक्जेंडर ज्वेरेव - 9,690 अंक
- 3. कार्लोस अल्कराज़ - 5,560 अंक
- 4. बेन शेल्टन - 4,680 अंक (+5)
- 5. फेलिक्स आजे-अलियासिम - 3,890 अंक (-1)
- 6. दानिल मेदवेदेव - 3,770 अंक (+2)

- 7. फ्लावियो कोबोली - 3,720 अंक (-1)
- 8. फ्रांसेस टियाफोए - 3,380 अंक (+4)
- 9. एलेक्स डी मिनौर - 3,300 अंक (-2)
- 10. टेलर फ्रिट्ज - 3,175 अंक

इस बदलाव के साथ अक्टूबर 2002 के बाद पहली बार एटीपी रैंकिंग के शीर्ष-10 में बिग थ्री के किसी भी सदस्य का नाम नहीं है। रोजर फेडरर ने 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने 2024 में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया था।

यूएस ओपन का अपना पहला खिताब जीतने वाले ज्वेरेव दूसरे स्थान पर कायम हैं, लेकिन उन्होंने शीर्ष स्थान पर मौजूद यानिक सिनर के साथ अंकों का अंतर कम कर दिया है। घुटने की चोट के कारण सिनर इस साल न्यूयार्क में नहीं खेले थे। फाइनल में ज्वेरेव से हारने वाले बेन शेल्टन करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। सेमीफाइनल में शेल्टन से हारने वाले फ्रांसेस टियाफोए भी 12वें से आठवें स्थान पर पहुंचकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए। यूएस ओपन के अंतिम-16 तक पहुंचने वाले दानिल मेदवेदेव आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं फेलिक्स आजे-अलियासिम, फ्लावियो कोबोली और एलेक्स डी मिनौर की रैंकिंग में गिरावट हुई है।

भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग

युगल: यूकी भांबरी 44वें, एन. श्रीराम बालाजी 49वें, निकी पूनाचा 87वें, अनिरुद्ध चंद्रशेखर 88वें, सिद्धांत बंठिया 116वें, अर्जुन कढ़े 142वें, ऋत्विक चौधरी बोल्लीपल्ली 154वें, रामकुमार रामनाथन 173वें, एन. विजय सुंदर प्रशांत 192वें और एस. डी. प्रज्वल देव 196वें स्थान पर हैं।

एकल: सुमित नागल 245वें, दक्षिणेश्वर सुरेश 364वें और मानस धामने 366वें स्थान पर हैं।